

# The Basics of True Worship

But the hour cometh, and now is, when the true worshippers shall worship the Father in spirit and in truth: for the Father seeketh such to worship him. God is a Spirit: and they that worship him **must** worship him in spirit and in truth. (John 4:23-24)

Ye also, as lively stones, are built up a spiritual house, an holy priesthood, to offer up spiritual sacrifices, acceptable to God by Jesus Christ. (1 Peter 2:5)



---

---



---

---



---

---

But thou art holy, O thou that inhabitest the praises of Israel. (Psalm 22:3)

What is man, that he should be clean? and he which is born of a woman, that he should be righteous?

Behold, he putteth no trust in his saints; yea, the heavens are not clean in his sight.

How much more abominable and filthy is man, which drinketh iniquity like water? (Job 15:14-16)

How then can man be justified with God? or how can he be clean that is born of a woman?

Behold even to the moon, and it shineth not; yea, the stars are not pure in his sight.

How much less man, that is a worm? and the son of man, which is a worm? (Job 25:4-6)

## Part IIIB How The Holiness of God Is To Affect The Worshipper and Thus The Worship

---

---

---

---

### Acceptable Worship

---

---

---

---

---

---

---

---

### The Elements of True Worship

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

### The Holiness of God

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Unto him that loved us, and washed us from our sins in his own blood, and hath made us kings and priests unto God and his Father; to him be glory and dominion for ever and ever. Amen. (Revelations 1:5-6)

Then said I, Woe is me! for I am undone; because I am a man of unclean lips, and I dwell in the midst of a people of unclean lips: for mine eyes have seen the King, the LORD of hosts. (Isaiah 6:5)

So shall they fear the name of the LORD from the west, and his glory from the rising of the sun. When the enemy shall come in like a flood, the Spirit of the LORD shall lift up a standard against him. (Isaiah 59:19)

...Dearly beloved, let us cleanse ourselves from all filthiness of the flesh and spirit, perfecting holiness in the fear of God. (2 Corinthians 7:1)

When the enemy shall come in like a flood, the Spirit of the LORD shall lift up a standard against him. (Isaiah 59:19)

Neither give place to the devil. (Ephesians 4:27)

Howbeit, because by this deed thou hast given great occasion to the enemies of the LORD to blaspheme (2 Samuel 12:14)

But put ye on the Lord Jesus Christ, and make not provision for the flesh, to fulfil the lusts thereof. (Romans 13:14)

Forasmuch as ye know that ye were not redeemed with corruptible things... But with the precious blood of Christ, as of a lamb without blemish and without spot: (1 Peter 1:18-19)

...the blood of Jesus Christ his Son cleanseth us from all sin.  
If we say that we have no sin, we deceive ourselves, and the truth is not in us. If we confess our sins, he is faithful and just to forgive us our sins, and to cleanse us from all unrighteousness. If we say that we have not sinned, we make him a liar, and his word is not in us. (1 John 1:7-10)

## How The Holiness of God Is To Affect Worshippers

1. \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

## The Benefits of High Standards

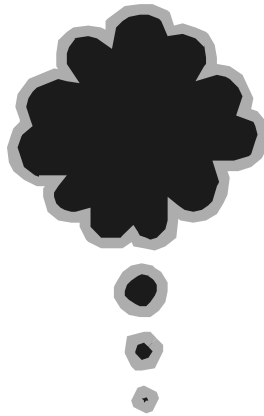
1. \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_
3. \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_
4. \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_
3. \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_



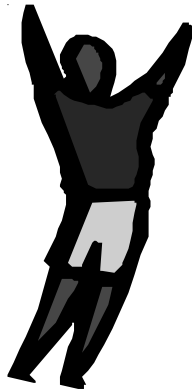
The  
Worshipped



The  
Worship



The  
Worshippers



7. \_\_\_\_\_

6. \_\_\_\_\_

5. \_\_\_\_\_

4. \_\_\_\_\_

3. \_\_\_\_\_

2. \_\_\_\_\_

1. \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

And such were some of you: but ye are washed, but ye are sanctified, but ye are justified in the name of the Lord Jesus, and by the Spirit of our God. (1 Corinthians 6:11)

For behold this selfsame thing, that ye sorrowed after a godly sort, what carefulness it wrought in you, yea, what clearing of yourselves, yea, what indignation, yea, what fear, yea, what vehement desire, yea, what zeal, yea, what revenge! In all things ye have approved yourselves to be clear in this matter. (2 Corinthians 7:11)

Blessed are the pure in heart: for they shall see God. (Matthew 5:8)

Follow peace with all men, and holiness, without which no man shall see the Lord: (Hebrews 12:14)

Ye also, as lively stones, are built up a spiritual house, an holy priesthood, to offer up spiritual sacrifices, acceptable to God by Jesus Christ. (1 Peter 2:5)

But thou art holy, O thou that inhabitest the praises of Israel. (Psalm 22:3)

4.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

5.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

6.

1.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

7.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

1.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

2.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

3.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

